डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के नेताओं ने दलित आइकन और **भारत के पहले विधि मंत्री डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर**, जिन्होंने भारतीय संविधान की प्रारूप समिति का नेतृत्व किया था, को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - **डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर** एक प्रमुख **भारतीय विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ** थे।
  - उनका जन्म **14 अप्रैल, 1891 को महू, मध्य प्रदेश** में हुआ था।
    - उनके पिता, **सूबेदार रामजी मालोजी सकपाल**, एक सुशिक्षित व्यक्ति और संत कबीर के अनुयायी थे।
- **शिक्षा:**
  - अंबेडकर ने **बॉम्बे विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री** प्राप्त की और आगे की पढ़ाई के लिये **न्यूयॉर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स** चले गए।
- **योगदान:**
  - **वर्ष 1924** में उन्होंने दलित वर्गों के कल्याण के लिये एक एसोसिएशन की शुरुआत की **और 1927 में** दलित वर्गों के हितों को संबोधित करने के लिये उन्होंने बहिष्कृत भारत समाचार पत्र शुरू किया।
    - उन्होंने **मार्च 1927 में महाड सत्याग्रह का** भी नेतृत्व किया।
  - उन्होंने तीनों गोलमेज सम्मेलनों में भाग लिया।
  - वर्ष 1932 में, डॉ. अंबेडकर ने महात्मा गांधी के साथ पूना पैक्ट पर हस्ताक्षर किये, जिसने दलित वर्गों के लिये पृथक निर्वाचिका मंडल (**कम्युनल अवार्ड**) के विचार को त्याग दिया।
  - **वर्ष 1936** में उन्होंने दलित वर्गों के हितों की रक्षा के लिये **इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी** का गठन किया।
  - वर्ष 1942 में डॉ. अंबेडकर को भारत के गवर्नर जनरल **की कार्यकारी परिषद में श्रम सदस्य** के रूप में नियुक्त किया गया और **वर्ष 1946 में बंगाल से** संविधान सभा के लिये चुने गए।
    - वह प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे और उन्हें भारतीय संविधान के जनक के रूप में याद किया जाता है।
  - वर्ष 1947 में डॉ. अंबेडकर **स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल में विधि मंत्री** बने।
    - वर्ष 1951 में हिंदू कोड बिल पर मतभेद के कारण **उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा** दे दिया।
- **अतिरिक्त विवरण:**
  - बाद में उन्होंने बौद्ध धर्म अपना लिया। **6 दिसंबर, 1956** को उनका निधन हो गया, जिसे **महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।**
    - **चैत्य भूमि** मुंबई में स्थित बी.आर. अंबेडकर का स्मारक है।
  - उन्हें **वर्ष 1990 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान** भारत रत्न **से भी सम्मानित** किया गया।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/dr-ambedkars-death-anniversary